



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 38]

नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 29, 1986/अग्रहायण 8, 1908

No. 38] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 29, 1986/AGRAHAYANA 8, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as  
a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (III)

PART II—Section 3—Sub-section (III)

(संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय अधिकारियों द्वारा जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं  
Orders and Notifications issued by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)

भारत निर्वाचन आयोग

नई दिल्ली, 28 अक्तूबर, 1986

आदेश

आ. आ. 233—श्री सक. सुल्तान, 21 ब्रॉड स्ट्रीट, कलकत्ता-19 को, जो लोक सभा के लिए 1984 में हुए साधारण निर्वाचन में 23-कलकत्ता दक्षिण निर्वाचन-क्षेत्र से निर्वाचन में लड़ने वाले अभ्यर्थी लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 10-क के अधीन निर्वाचन आयोग द्वारा उसके तारीख 7 जनवरी, 1986 के आदेश सं. 76/पं. सं./85 द्वारा, विधि द्वारा अपेक्षित रीति से लेखा दाखिल करने में असफल रहने के कारण निरहता कर दिया गया था;

और उक्त श्री सक. सुल्तान ने अपने लेखे में त्रुटि का परिशोधित कर लिया है और निर्वाचन आयोग के समक्ष एक अर्जी प्रस्तुत की है जिसमें विधि द्वारा अपेक्षित रीति से लेखा दाखिल करने में असफलता के कारण बताते हुए उन पर अधिरोपित निरहता को हटाने के लिए निवेदन किया है;

और अब, विधि द्वारा अपेक्षित रीति से लेखा दाखिल करने में असफल रहने के लिए उक्त अर्जी में बताई गई परिस्थितियों पर विचार करने के पश्चात्, निर्वाचन आयोग का यह मत है कि 7 जनवरी, 1986 के पूर्वगामी आदेश में संशोधन की आवश्यकता है;

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 11 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निर्वाचन आयोग, श्री सक. सुल्तान पर अधिरोपित निरहता को तारीख 28 अक्तूबर, 1986 से हटाता है।

[सं.प. बं.-लो. सं. /23 /85]

आदेश से,

आर. पी. भल्ला, सचिव

ELECTION COMMISSION OF INDIA

New Delhi, the 28th October, 1986

ORDER

O.N. 233.—Whereas Shri Sk. Sultan, 21, Broad Street Calcutta-19, who was a contesting candidate for general election to Lok Sabha held in December, 1984 from 23-Calcutta South

constituency, was disqualified by the Election Commission vide its Order No. 76/WB/85 dated the 7th January, 1986, under section 10A of the Representation of the People Act, 1951 for failure to lodge account in the manner required by law;

And, whereas, the said Shri Sk. Sultan rectified the defect in his account and submitted a petition before the Election Commission praying for the removal of disqualification imposed on him giving reasons for his failure to lodge the account of election expenses in the manner required by law;

And, whereas, the Election Commission having taken into account the circumstances explained in the said petition for his failure to lodge the account in the manner required by law is of the view that the earlier order of 7th January, 1986 merits revision;

Now, therefore, in exercise, of the powers conferred by section 11 of the said Act, the Election Commission hereby removes the disqualification imposed on Shri Sk. Sultan with effect from 28th October, 1986.

[No. WB-HP/23/85]  
By Order,  
R. P. BHALLA, Secy.

नई दिल्ली 7 नवम्बर, 1986

### आदेश

आ.प्र. 234.—निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि नीचे की सारणी के स्तम्भ (2) में यथाविनिर्दिष्ट उड़ीसा राज्य विधान सभा के 1985 साधारण निर्वाचन के लिए जो स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट निर्वाचन क्षेत्र से हुआ है, स्तम्भ (4) में उसके नामने विनिर्दिष्ट निर्वाचन लड़ने वाला प्रत्येक अभ्यर्थी, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा नवीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित उक्त सारणी के स्तम्भ (5) में यथा उपदिष्ट रूप में अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा समय के अन्तर्गत और/अथवा अपेक्षित रीति से दाखिल करने में असफल रहा है;

और उक्त अभ्यर्थियों ने सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी उक्त असफलता के लिए या तो कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है या उनके द्वारा दिए गए अभ्यावेदनों पर, यदि कोई हों, विचार करने के पश्चात् निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उनके पास उक्त असफलता के लिए कोई वैध कारण या व्यावहारिक नहीं है;

अतः अब, निर्वाचन आयोग उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में नीचे की सारणी के स्तम्भ (4) में विनिर्दिष्ट व्यक्तियों को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य/संघ राज्य क्षेत्र की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हता घोषित करता है :-

### सारणी

क्रम सं.	निर्वाचन का विवरण	विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र क्रम सं. और नाम	निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थी का नाम और पता	निरर्हता का कारण
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	उड़ीसा राज्य से विधान सभा निर्वाचन, 1985	106-तितलागढ़ (अ. जा.)	श्री बेनामी हरपाल, ग्राम/पो. हल्दी, जिला-बालनगीर (उड़ीसा)	निर्वाचन व्ययों का लेखा विधि द्वारा अपेक्षित रीति व समय में दाखिल नहीं किया।
2.	-वही-	-वही-	श्री लल्लू मेहर, ग्राम.-सरगीगुड़ा, पो.-तितलागढ़, जिला-बालनगीर (उड़ीसा)	निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल नहीं किया।
3.	-वही-	92-डाबूगाम (अ. ज. जा.)	श्री लक्ष्मीधर सान्ता, ग्राम-बडोलीगुड़ा, पोस्ट-मेडाना, जिला-कोरापुट (उड़ीसा)	निर्वाचन व्ययों का लेखा विधि द्वारा अपेक्षित रीति व समय में दाखिल नहीं किया।

[सं. 76/उड़ीसा-नि.स./85]

आदेश से,  
बलवन्त सिंह, प्रवर सचिव

New Delhi, the 7th November, 1986

## ORDER

O.N. 234.—Whereas the Election Commission is satisfied that each of the contesting candidates specified in column (4) of the Table below at the General Election to the Legislative Assembly, 1985 as specified in column (2) and held from the constituency specified in column (3) against his name has failed to lodge an account of his election expenses or failed to lodge the account within the time and or in the manner, as shown in column (5) of the said Table as required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidates have either not furnished any reason or explanation for the said failure even after due notice or the Election Commission, after considering the representations made by them, if any, is satisfied that they have no good reason or justification for the said failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the persons specified in column (4) of the Table below to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of the Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State/Union Territory for a period of 3 years from the date of this Order :

TABLE

S. No.	Particulars of election	S. No. & Name of the Assembly Constituency	Name & Address of the contesting candidate	Reason for disqualification
(1.)	(2.)	(3.)	(4.)	(5.)
1.	General Election to Orissa Legislative Assembly, 1985	106. Titilagarh (SC)	Sri Benami Harpal, At/P. O. Haldi, Distt. Balangir (Orissa)	Failed to lodge the account within time and manner required by Law.
2.	-do-	-do-	Sri Lalu Mehar, At Sargiguda, P.O. Titilagarh Distt. Balangir (Orissa)	Failed to lodge any account of election expenses.
3.	-do-	92. Dabugam (ST)	Shri Laxmi dhar Santa, Vill. Bodoliguda, P.O. Medana, Distt. Koraput (Orissa)	Failed to lodge the account within time and in the manner required by Law.

[No. 76/OR-LA/85]

By Order,  
BALWANT SINGH, Under Secy.

